



मौसैरे भाई बहन के साथ थ्रीसम सेक्स-1

“मैं मामा की बेटी की शादी में गयी तो वहां मौसी की बेटी और बेटा मिले. वे दोनों मेरे हमउम्र थे. मैंने उन दोनों को किस हालत में देखा ? और मैंने तब क्या किया ? ...”

Story By: (monikamaan)

Posted: Tuesday, May 21st, 2019

Categories: [भाई बहन](#)

Online version: [मौसैरे भाई बहन के साथ थ्रीसम सेक्स-1](#)

मौसरे भाई बहन के साथ थ्रीसम सेक्स-1

❓ यह कहानी सुनें

दोस्तो, मैं मोनिका मान हिमाचल की रहने वाली हूँ.

मेरी पिछली कहानी

भाई की दीवानी

पढ़ कर कुछ अन्तर्वासना के पाठकों ने मुझे नया नाम चुलबुली मोनी दिया है, जो मेरे ऊपर सही जंचता है.

मेरी पिछली कहानियों के लिए ढेर सारे मेल आए, उसके लिए आप सब का बहुत धन्यवाद.

कुछ दोस्त मुझसे सेक्स करने की चाहत रखते हैं, तो कुछ ने लड़की के नाम से मेल आईडी बना कर हेल्प के लिए मुझसे सम्पर्क किया. दोस्तों आपसे विनम्र निवेदन है, ऐसा मत किया करो प्लीज़.

जिन्होंने मेरी कहानियां पढ़ी हैं, वो मेरे बारे में जानते हैं, जिन्होंने नहीं पढ़ी हैं, उनको पहले मैं अपने बारे में बता दूँ. मेरी हाइट 5 फीट 3 इंच है और मेरा रंग गोरा है. मेरी चूचियों की साइज़ 32, कमर 28 और कूल्हे 36 के हैं. मेरी उम्र 20 साल है. मैं लड़कों की तरह छोटे बाल रखती हूँ.

मेरी हाइट कम होने के कारण मेरे चूतड़ काफी बड़े दिखते हैं. मेरे स्कूल के समय से ही लड़के मेरे चूतड़ों के दीवाने थे. मुझे जीन्स और शर्ट टॉप पहनना पसन्द है. मेरी चूचियां गोल हैं और निप्पल भूरे रंग के हैं, चेहरा गोल है.

पिछली बार जब मैं दिल्ली से घर आई थी, तो मुझे पहाड़ों में आकर बहुत सुकून मिला. फिर 5 दिन बाद मेरे मामा अपनी लड़की की शादी का न्यौता देने और मुझे साथ ले जाने के लिए आए.

मम्मी ने मामा के साथ जाने के लिए हां कर दी और मैं मम्मी के साथ मामा के घर चली गयी.

मामा ने अपनी बेटी पहले ही बुला लिया था. अभी उनकी शादी में 8 दिन बाकी थे. जब मेरे मामा की बेटी यानि मेरी दीदी मुझसे मिलीं, तो मैंने दीदी से बात की, लेकिन उन्होंने मुझसे बात नहीं की. पता नहीं क्यों उनको मुझसे नाराजगी थी. दो दिन ऐसे ही बीत गए.

मैं शादी के लिए कपड़े खरीदना चाहती थी. जब मैंने दीदी से पूछा तो उन्होंने मना कर दिया- मुझे नहीं मालूम, जो खरीदना है खरीदो.

मुझे दीदी की ऐसी बेरुखी बातों से रोना आ रहा था. खैर मैंने कपड़े नहीं खरीदे, जो मेरे पास थे, उन्हीं को पहनने का मन बना लिया.

शादी से एक दिन पहले सभी मेहमान आ गए थे तो रात को सोने का इंतजाम करने लगी. महिलाओं के लिए अलग से व्यवस्था कर दी गयी और पुरुषों को अलग से.

मैंने अपने लिए छत पर बिस्तर लगा दिए ताकि शोर शराबे से दूर आराम से सो सकूँ. मैं खाना खाकर करीब 9 बजे छत पर जा कर अपने बिस्तर पर लेट गयी. थोड़ी देर बाद मेरी मौसी की लड़की और उनका भाई छत पर आ गए. मैं उनको जानती थी कि ये मेरी मौसी की लड़की और लड़का हैं. लेकिन कभी हम मिले नहीं थे.

वो आकर मेरे पास बैठ गए और अपना परिचय दिया. तब हमारी जान पहचान हो गयी. उसका नाम निहारिका था.

निहारिका ने पूछा कि क्या वो मेरे साथ सो सकती है ?

मुझे कोई दिक्कत नहीं थी तो मैंने हां कर दी.

तभी उसका भाई बिस्तर ले आया और वे मेरे साथ में बिस्तर लगा कर लेट गए. मेरी मौसी का लड़का मुझसे बातें करने लगा. वो कुछ ज्यादा ही मुझमें अपना इंटरेस्ट दिखा रहा था. मैंने दिन में भी उसको कई बार मुझे घूरते हुए देखा था. वो दोनों बहन भाई पूरा दिन हंसते हुए बिता रहे थे. दिन में जब कोई काम होता, तो वो मुझे बार बार छूने की कोशिश करते और एक दूसरे के इर्द गिर्द ही रहते. लेकिन मेरा उनमें कोई इंटरेस्ट नहीं था.

रात के 11 बज चुके थे, तो मैंने सभी को शुभ रात्रि बोला और सो गयी.

करीब 12 बजे अचानक से मेरी नींद खुल गयी. मुझे मेरी चुचियों पर कुछ महसूस हुआ. जब देखा तो वो निहारिका का हाथ था. पहले तो मैं चुप रही, ये देखने के लिए कि आगे क्या होता है.

थोड़ी देर बाद उसके हाथ में हरकत हुई. और उसने मेरी चूची को दबाना शुरू कर दिया. मैंने उसका विरोध नहीं किया. थोड़ी देर बाद मेरी दोनों चूचियों पर तेज तेज हाथ चलने लगे. मुझे कुछ शक हुआ, तो मैंने चाँद की चांदनी रात में देखा कि उनका भाई भी मेरी चूची दबा रहा था.

अब मैं एकदम से जाग गयी और मैंने उसका हाथ पकड़ लिया, मैंने पूछा- ये क्या हो रहा है ?

तो वे दोनों भाई बहन सकपका गए.

मैं- अरे तुम दोनों बहन भाई होकर भी ?

निहारिका- माफ़ करना मोनिका.

उनका भाई विक्की भी माफ़ी मांगने लगा.

मैं- चलो ठीक है माफ़ किया, लेकिन सच बताओ क्या तुम दोनों बहन भाई एक दूसरे के साथ सेक्स करते हो ?

निहारिका- नहीं, हम बस अपनी सब बातें शेयर करते हैं.

मैं- तो आपस में करते क्यों नहीं ?

निहारिका- नहीं ... हम भाई बहन हैं.

मैं- तो क्या किसी दूसरे को तंग करोगे ? अपने घर में ही करो, आपके लिए अच्छा रहेगा.

इस बार मैं थोड़ा तेज आवाज में बात कर रही थी.

विक्की- दीदी प्लीज़ आप किसी को कुछ बताना मत.

मैं- जो करना है करो, मैं किसी को कुछ नहीं बताने वाली.

इसके बाद हम सब सो गए.

सुबह वो दोनों मुझसे नज़रें नहीं मिला रहे थे. पता नहीं क्यों मुझे अच्छा नहीं लगा. मैंने

जानबूझ कर विक्की को बुलाया और काम में मदद मांगी और उससे बात करने लगी.

एकांत देख कर मैंने कहा- विक्की रात जो हुआ, उसको तुम भूल जाओ ... और जाओ

निहारिका को बुला के लाओ.

जब निहारिका आई, तो मैंने उसको समझाया- निहारिका, जो रात को हुआ, मैं उसके बारे में कुछ नहीं बोलूंगी. तुम भी उसको भुला दो. तुम शादी में आई हो, तो एन्जॉय करो.

मैंने सोचा कि ये लोग शादी में अपनी खुशियां मनाने आए हैं और मेरी वजह से ये पूरे 2 या 3 दिन मुँह लटकाये रहेंगे, तो अच्छा नहीं लगेगा.

वो मुझे कुछ परेशान सी देखने लगी.

तभी मैंने निहारिका से कहा- निहारिका, मैं वादा करती हूँ कि मैं ये बात किसी को नहीं बताऊंगी. तुम खुश होकर मुस्कुराते हुए शादी का आनन्द लो.

तब जाकर वो दोनों खुश हुए और दोबारा से उनके चेहरे पर मुस्कान देखने को मिली.

उस दिन मैं और निहारिका दोपहर को पड़ोस के मकान में सोने चली गई ताकि रात भर जागने में कोई दिक्कत ना हो, क्योंकि रात को दीदी के फेरे और फिर विदाई थी.

हम करीब 11 बजे सो गयी और शाम को 4 बजे उठी. शाम 6 बजे बारात आने वाली थी, तो सभी बारात के स्वागत के लिए तैयार हो रहे थे. मुझे तो कोई जरूरत नहीं थी तैयार होने की. मैंने बाथ लिया और काले रंग की टाइट जीन और नीले और आसमानी रंग की चैक की शर्ट डाल ली और नीचे जूते पहन लिए. मेरी शर्ट चूचियों के नीचे से एकदम से टाइट थी, जिससे मेरी चूचियां के उभार दिख रहे थे.

मैंने देखा कि कुछ लड़कों की निगाहें मुझ पर ज्यादा ही थीं. हमने बारात का स्वागत किया और बारातियों को खाना खिलाया. कुछ देर बाद फेरे शुरू हुए. 11:30 के करीब दीदी की विदाई हो गई.

दीद के जाने के बाद मुझे एक अजीब सी शांति मिली और अब मेरा मन चुदाई का खेल खेलने का करने लगा.

निहारिका से मैंने कहा- चलो छत पर सोते हैं, तुम विक्की को भी सोने को बोल दो.

अपने कपड़े लिए और मैं ऊपर चली गयी. छत पर एक खुला कमरा था. निहारिका भी अपने कपड़े लेकर मेरे साथ ऊपर आ गयी.

मैंने कहा- तुम कपड़े चेंज करो, मैं गेट बन्द कर देती हूँ.

निहारिका ने अपना कमीज उतारा ही था कि विक्की कपड़े बदल कर आ गया.

मैंने उसको रोका नहीं, वो सीधा निहारिका के पास चला गया. मैंने गेट बन्द कर दिया.

निहारिका ने उसको कुछ नहीं कहा. मेरे और विक्की के सामने ही निहारिका ने अपनी ब्रा

उतारी और खुली टी-शर्ट डाल ली. फिर सलवार उतार कर लोअर डाल लिया.

निहारिका ने कपड़े बदल लिए, अब मैंने अपने कपड़े बदलने थे तो विक्की छत पर जाने लगा, तो मैंने कहा- कल तो मेरे दबा रहे थे, आज इतनी शर्म क्यों महसूस कर रहे हो ? इस पर वो थोड़ा मुस्करा दिया.

मैंने कहा- निहारिका को देखा तो मुझे भी देख लो, क्या फर्क पड़ता है.

आज मैंने सोच लिया था कि कल सभी चले ही जाएंगे ... तो क्यों ना आज मजा ले ही लिया जाए.

मैंने विक्की के सामने ही अपने कपड़े उतारे. विक्की मेरी चूचियों को ... और कूल्हों को देखता ही रह गया. मैंने पिक कलर की ब्रा और पेंटी डाली हुई थी. मेरी चूचियां बड़ी होने के कारण ब्रा सिर्फ एक चौथाई चूचियों को ढक पा रही थी.

मैं सोते टाइम ब्रा नहीं डालती, इसलिए मैंने निहारिका से कहा- जरा मेरी ब्रा का हुक खोलना.

मेरी ब्रा का हुक खोलते ही मेरी चूचियां एकदम से उछल कर बाहर आ गईं. जब मैंने अपनी ब्रा उतारी, तो विक्की भी मुझे देख रहा था. उसकी नजरें बार बार मेरी चुचियों पर जा रही थी.

मैंने नोटिस किया कि विक्की के लोअर में उसका लंड खड़ा हो गया था. होता भी क्यों नहीं ... दो दो लड़कियां उसके सामने कपड़े जो उतार रही थीं.

विक्की ने अपनी लोवर के ऊपर से ही अपना लंड मसला, तो मेरा भी दिल मचल गया.

मैं अब विक्की और निहारिका के सामने सिर्फ पेंटी में थीं. एक बार तो दिल किया कि ऐसे ही सो जाऊं बिना कपड़ों के. लेकिन यहां किसी का भरोसा नहीं था कि कौन कब आ जाए.

फिर मैंने अपना रात्रि में पहनने वाला गाउन पहना और बाहर आकर अपने बिस्तर पर लेट गई.

हम दोनों के बीच में विक्की लेटा हुआ था. मैं निहारिका से बात करने के बहाने बैठी, तो जानबूझ कर विक्की के लंड पर हाथ रख दिया ... और लंड को थोड़ा दबा भी दिया.

मैंने पूछा- निहारिका तेरा कोई बॉयफ्रेंड है क्या ?

निहारिका- नहीं.

मैं- विक्की को बना लो.

मैं ये कह कर थोड़ा हंस दी.

निहारिका- किसी को पता चलेगा तो ?

मैं- बताएगा कौन ?

निहारिका चुप हो गयी.

मैं- विक्की, क्या तुम निहारिका के साथ सेक्स करना चाहते हो ?

विक्की- हां दीदी.

मैं- तो चलो, मैं तेरा कोई ना कोई जुगाड़ करती हूँ.

मैंने विक्की को निहारिका को किस करने व चूचियां दबाने का इशारा किया.

विक्की ने इशारा समझ कर निहारिका के होंठों पर किस कर दिया और उसकी चूचियां दबाने लगा. थोड़ी देर बाद निहारिका सोने का ड्रामा करने लगी. लेकिन मुझे नींद नहीं आ रही थी. मैं विक्की से बिल्कुल सट गयी और उसके पेट पर हाथ रख दिया.

दो मिनट बाद मैंने हाथ को थोड़ा नीचे ले जा कर उसके लंड पर रख दिया.

विक्की- दीदी, आप बुरा ना मानो तो एक बात बोलूँ.

मैं- हां बोलो.

विक्की- आपकी चूचियां और कूल्हे बहुत मस्त हैं. मुझे एक बार और दिखा सकती हो क्या ?

मैं- कल देख लेना.

विक्की- अभी छू सकता हूँ क्या ?

मैंने हां कर दी.

विक्की मेरी चूचियों को दबाने लगा. लेकिन मेरे मन में तो कुछ और ही चल रहा था. मैंने

कहा- विक्की तुम निहारिका के साथ सेक्स क्यों नहीं करते ?

तो विक्की ने बताया- मैं तो करना चाहता हूँ, लेकिन वो खुद मना करती है ... जबकि अपने बॉयफ्रेंड से खूब मजे से सेक्स करती है.

मैंने कहा- चलो अभी उसकी चूचियां दबाओ और उसे नंगी करो ... मैं देखती हूँ कि तुम्हारे साथ कैसे नहीं करती.

अब विक्की को मेरा सहारा मिल गया था, तो उसने निहारिका का लोअर उतार दिया.

निहारिका जागी हुई तो थी ही, वो झट से जाग गयी.

मैंने कहा- निहारिका, चलो तीनों मिलकर मस्ती करते हैं.

यह कहते हुए मैंने निहारिका चूची पकड़ कर दबा दी. निहारिका कुछ देर तो यूँ ही पड़ी रही, फिर वो भी राजी हो गयी. अब मैंने विक्की का लोवर उतार दिया और अंडरवियर भी खींच दी. वो नंगा हो गया.

हम तीनों भाई बहन का श्रीसम सेक्स का पूरा माहौल बन गया था. अगले भाग में आपको श्रीसम चुदाई की कहानी का मजा मिलेगा.

मुझे मेल करें. आपकी चुलबुली मोनी.

monikamaan858@gmail.com

कहानी का अगला भाग : मौसेरे भाई बहन के साथ श्रीसम सेक्स-2

Other stories you may be interested in

मौसेरे भाई बहन के साथ श्रीसम सेक्स-2

भाई बहन सेक्स की इस कहानी के पहले भाग मौसेरे भाई बहन के साथ श्रीसम सेक्स-1 में अब तक आपने पढ़ा कि मामा की लड़की की शादी में मेरे मौसेरे भाई बहन की कामवासना ने मेरे अन्दर भी चुदास जगा [...]

[Full Story >>>](#)

हैंडसम लड़का पटाकर चूत चुदाई के बाद गांड मरवायी

मेरे प्रिय दोस्तो, मेरा नाम रितिका सैनी है. आपने मेरी पिछली हिंदी सेक्स स्टोरी स्कूल में पहला सेक्स किया हैंडसम लड़के को पटाकर को बहुत प्यार दिया, उसके लिए आप सभी का बहुत धन्यवाद. अगर आपने मेरी पहली कहानी नहीं [...]

[Full Story >>>](#)

नयी पड़ोसन और उसकी कमसिन बेटियां-5

सर्दी का मौसम शुरू हो चुका था, सुबह और शाम के समय हल्की हल्की सर्दी होने लगी थी. एक दिन सुबह बाहर निकला तो देखा गुप्ताइन अपने पोर्टिको में बैठकर चाय पी रही थी और उसके साथ एक लड़की बैठी [...]

[Full Story >>>](#)

ताऊ जी का मोटा लंड और बुआ की चुदास

जो कहानी मैं आप लोगों को सुनाने जा रहा हूँ वह केवल एक कहानी नहीं है बल्कि एक सच्चाई है. मैं आज आपको अपनी बुआ की कहानी बताऊंगा जो मेरे ताऊ जी के साथ हुई एक सच्ची घटना है. आगे [...]

[Full Story >>>](#)

बहन बनी सेक्स गुलाम-5

दोस्तो, मेरी इस सेक्स कहानी को आप लोगों का बहुत प्यार मिला. मैं फिर से आपका सबका धन्यवाद करना चाहता हूँ और नए अंक के प्रकाशन में देरी के लिए क्षमा चाहता हूँ. कहानी थोड़ी लंबी हो रही है क्योंकि [...]

[Full Story >>>](#)

